प्रशिक्षण

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम **"मत्स्य पालको की आय दुगनी करने के लिए मीठे पानी की जलीय कृषि (फ्रेशवाटर एक्वाकल्चर) में जल की गुणवत्ता का प्रबंधन"** आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत पोषित किया गया। यह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो. डॉ. सीता प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में आयोजित किया गया। जिसमें उन्होने कहा कि इस तरह के कायक्रम आयोजित होने से मत्स्य पालक लाभांवित होंगे एवं तालाब की गुणवत्ता सुधार सकेंगे।

कार्यक्रम के संयोजक अधिष्ठाता डॉ. ए.पी. सिंह ने कहा ज्यादा से ज्यादा किसान के समूह जुड़ेंगे तो इससे किसानों को फायदा होगा। इस कार्यक्रम में 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिसमें किसान, वैज्ञानिक व छात्र शामिल थे। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा, सह–प्राध्यापक ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया एवं सह समन्वयक डॉ. प्रीति मिश्रा रहीं। इस कार्यक्रम में **"बेहतर उत्पादन के लिए जल के भौतिक, जैविक एवं रासायनिक कारकों के प्रबंधन"** विषय में डॉ. माधुरी शर्मा, श्री शिवमोहन

सिंह एवं श्री मुकेश कुमार एव प्रियंका गौतम ने व्याख्यान एवं प्रायोगिक जानकारी उपलब्ध करायी।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस.के. जोशी, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. मधु स्वामी, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. सुनील नायक, सूचना एवं एवं डॉ. एस. के. महाजन, सह–प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ कु. शिवानी पाठक, श्री अनिल केवट, श्री प्रतीक कुमार तिवारी, श्री सत्येन्द्र कटारा व सहायक स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर